Microsoft Indic Language Input Tool for Hindi को Download एवं Install करना

32 बिट अथवा 64 बिट वाले ऑपरेटिंग सिस्टम में **Microsoft Indic Language Input Tool for Hindi** को सीधे, **http://www.bhashaindia.com** से डाउनलोड करके अथवा किसी **External Storage Device** की मदद से अपने कंप्यूटर में **Install** कर सकते हैं। इसके लिए आगे दी गई प्रक्रिया को अपनाएँ।

स्टेप 1

सबसे पहले विंडोज के **Default** ब्राउजर **Internet Explorer** अथवा किसी अन्य ब्राउजर के माध्यम से **http://www.bhashaindia.com** वेबसाइट को **Open** करें। वेबसाइट के खुलते ही नीचे दिया गया होमपेज दिखाई देगा, इसमें **Microsoft Indic Language Input Tool** पर क्लिक करें–

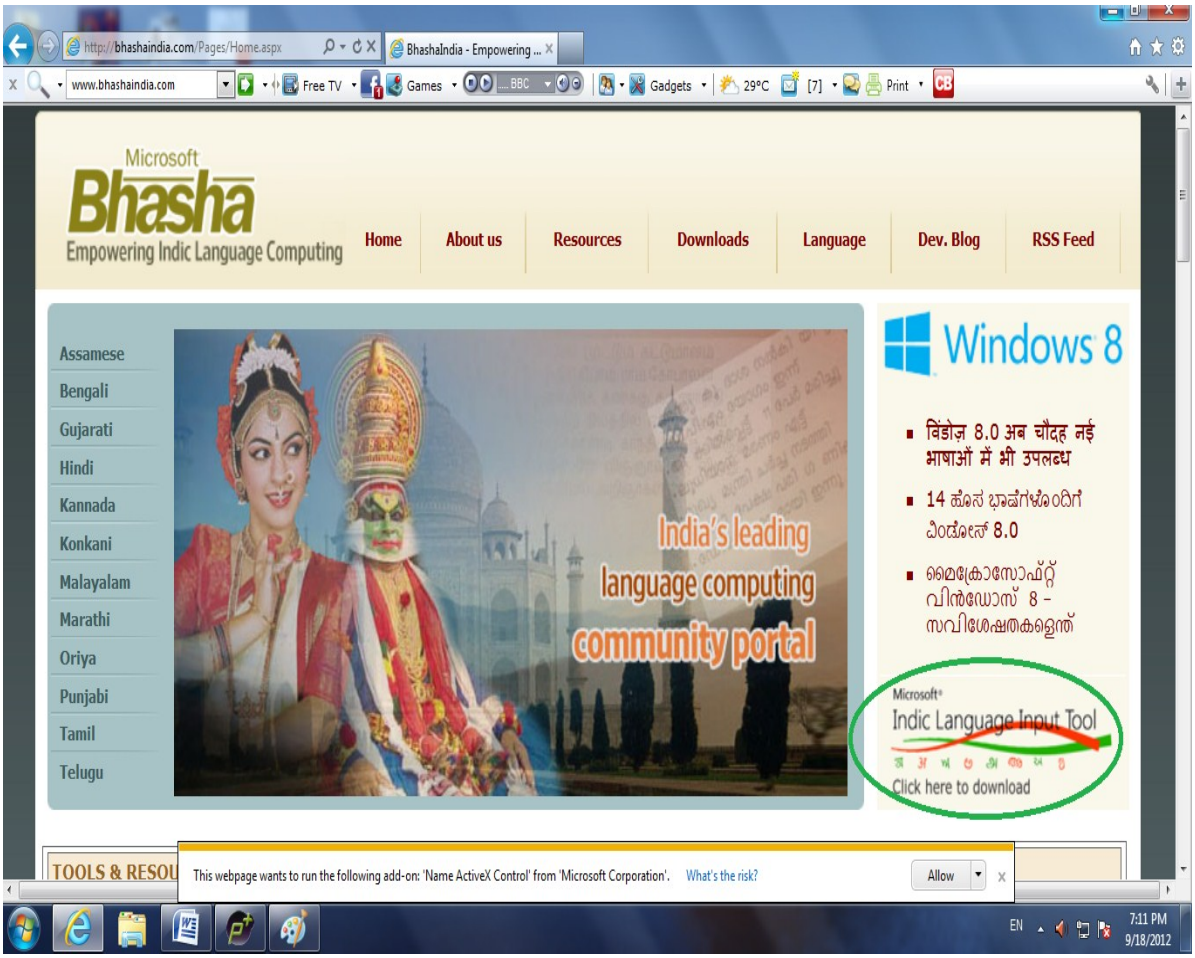

स्टेप 2

अब नीचे दिया गया डॉयलॉग बॉक्स दिखाई देगा। इसमें **Hindi** भाषा को चुनें, फिर **Install Desktop Version** पर क्लिक करें–

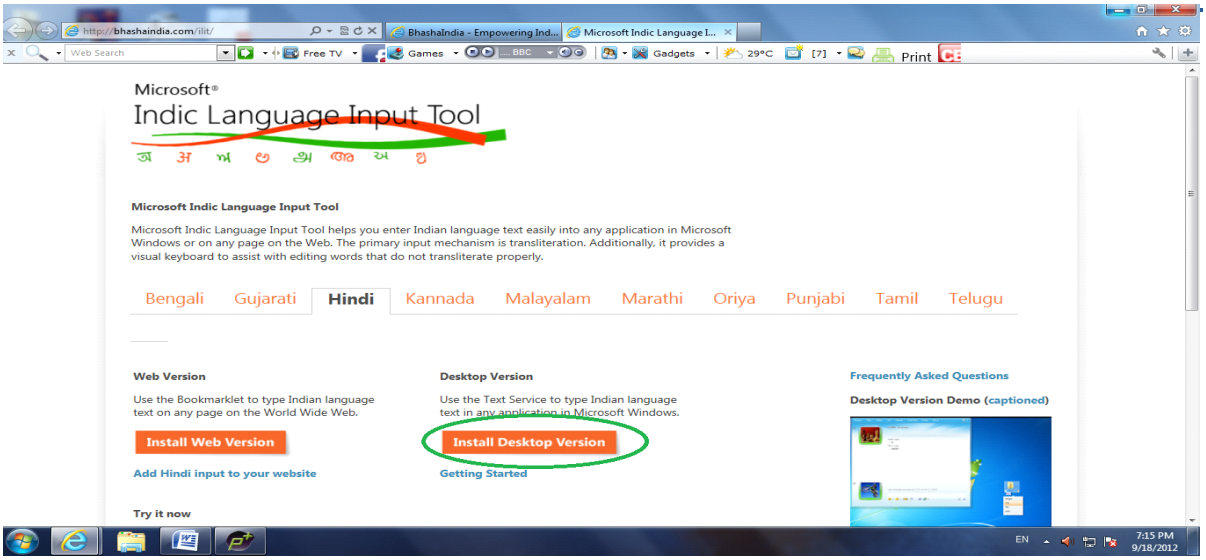

स्टेप 3

अब नीचे दिया गया डॉयलॉग बॉक्स दिखाई देगा। इस डॉयलॉग बॉक्स में **Install Now** बटन पर क्लिक करें और **Setup** फाइल को डेस्कटॉप पर **Save** कर लें–

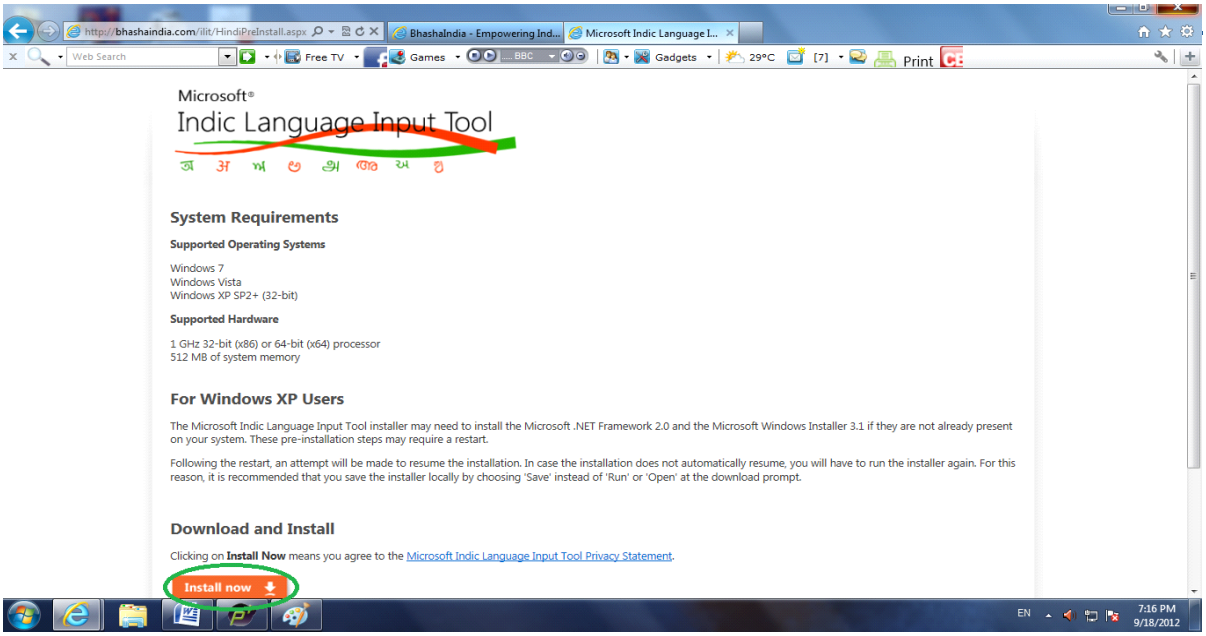

स्टेप 4

अब **Desktop** पर **Save** किए गए **MILIT for Hindi** के **Setup** फाइल पर डबल क्लिक करें–

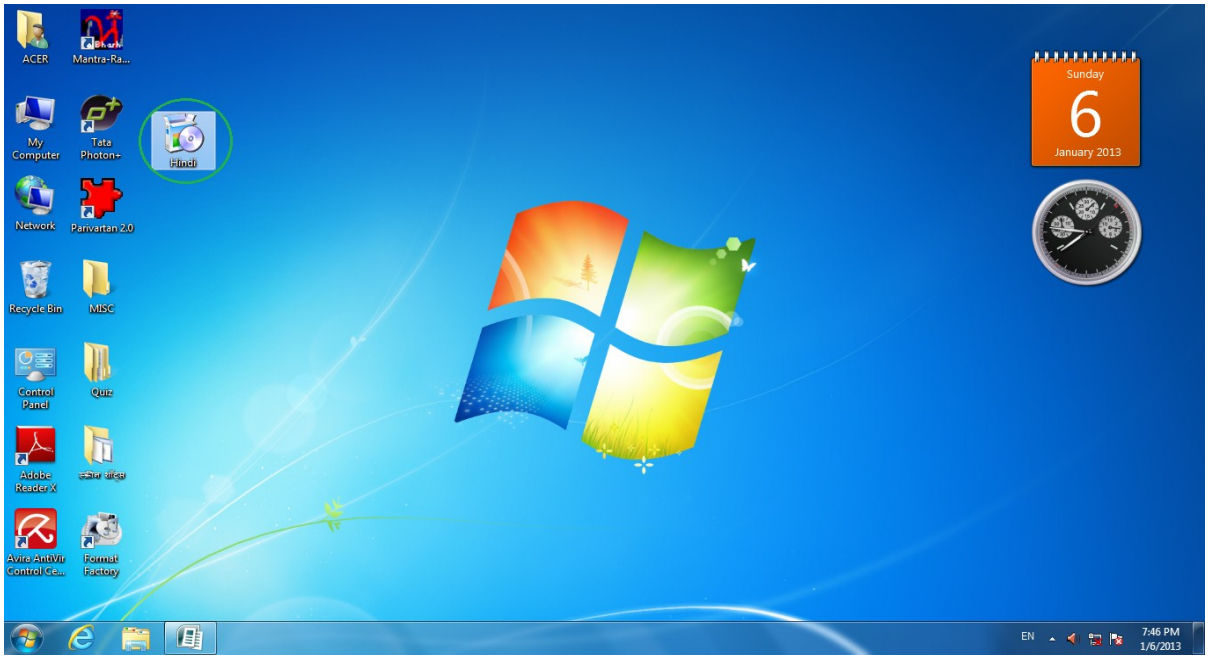

स्टेप 5

अब **Extracting File** का **Status** पूरा होने के बाद नीचे दिया गया डॉयलॉग बॉक्स दिखाई देगा, इसमें **I want to help improve MILIT** बॉक्स का चयन करें, फिर **Next** बटन पर क्लिक करें–

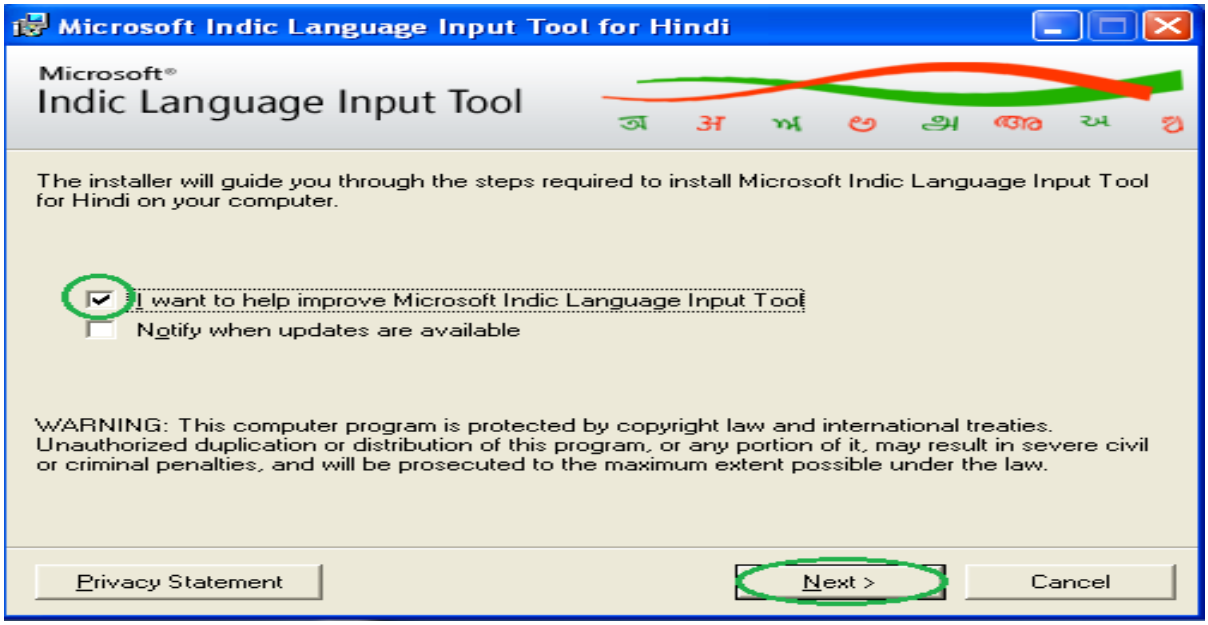

स्टेप 6

अब नीचे दिया गया डॉयलॉग बॉक्स दिखाई देगा, इसमें **I accept the terms in the License Agreement** को चुनें, फिर **Install** बटन पर क्लिक करें–

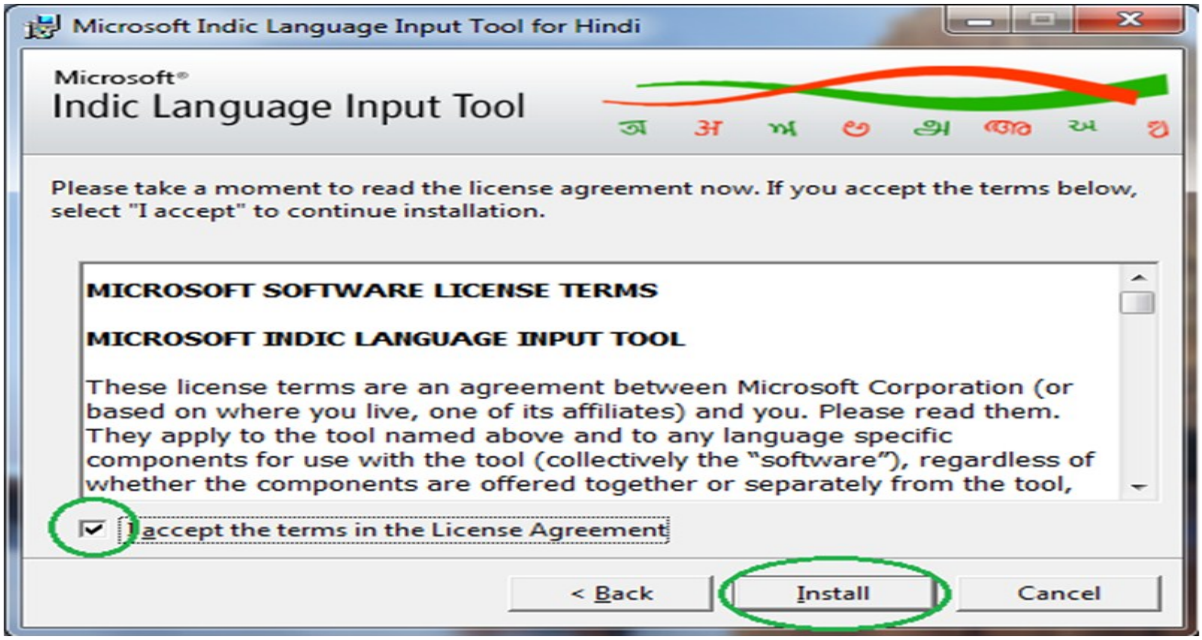

स्टेप 7

अब **Setup Status** पूरा होने तक प्रतीक्षा करें, फिर नीचे दिए गए डॉयलॉग बॉक्स में **Close** बटन पर क्लिक करें–

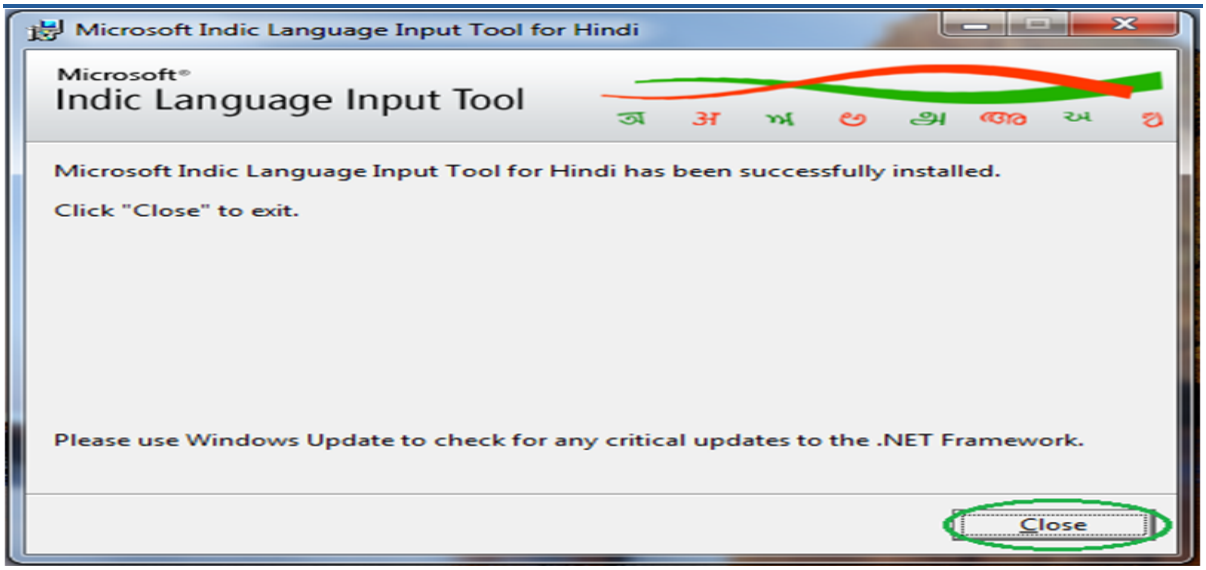

स्टेप 8

अब **Control Panel** में जाकर **Region and Language Options** पर क्लिक करें, फिर नीचे दिए गए डॉयलॉग बॉक्स में **Keyboards and Languages** विकल्प पर क्लिक करें और **Change keyboards** में जाएँ–

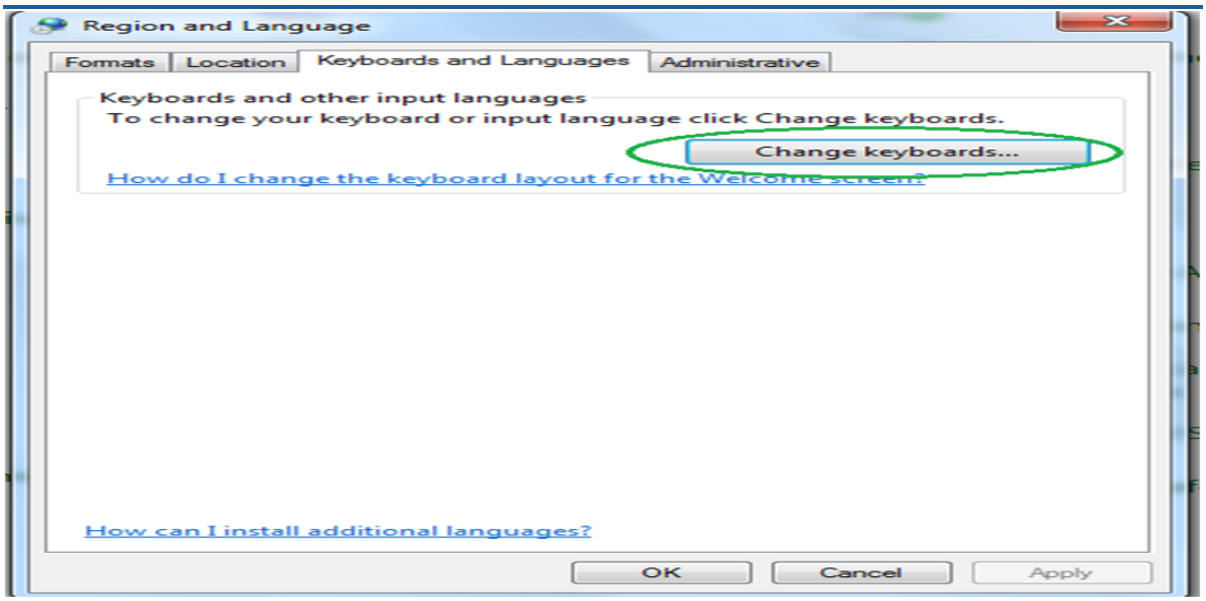

स्टेप 9

यह **Tool** स्वतः **Text Services and Input Languages** वाले डॉयलॉग बॉक्स के **Installed Services** विकल्प में **Microsoft Indic Language Input Tool for Hindi** जुड़ जाएगी। आप **Move Up** बटन पर क्लिक कर इसे **By-default** बनाएँ और कंप्यूटर को **Restart** करें।

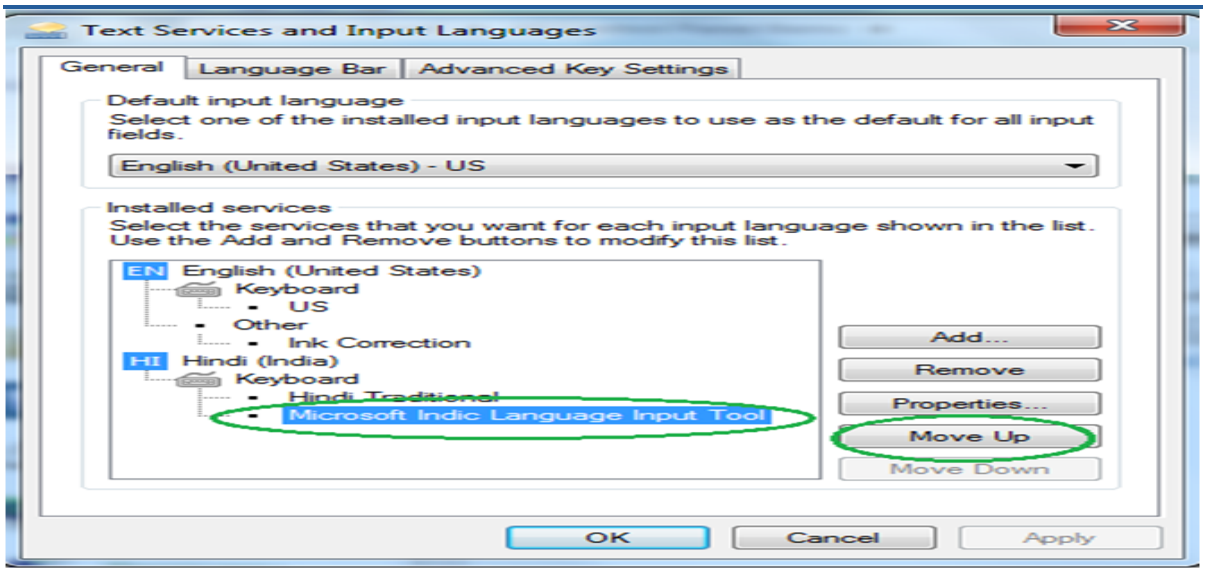

स्टेप 10

अब **Microsoft Word** खोलें, फिर नीचे दिए गए डॉयलॉग बॉक्स के अनुसार टास्क बार में **EN** पर क्लिक करके **Microsoft Indic Language Input Tool for Hindi** को चुनें–

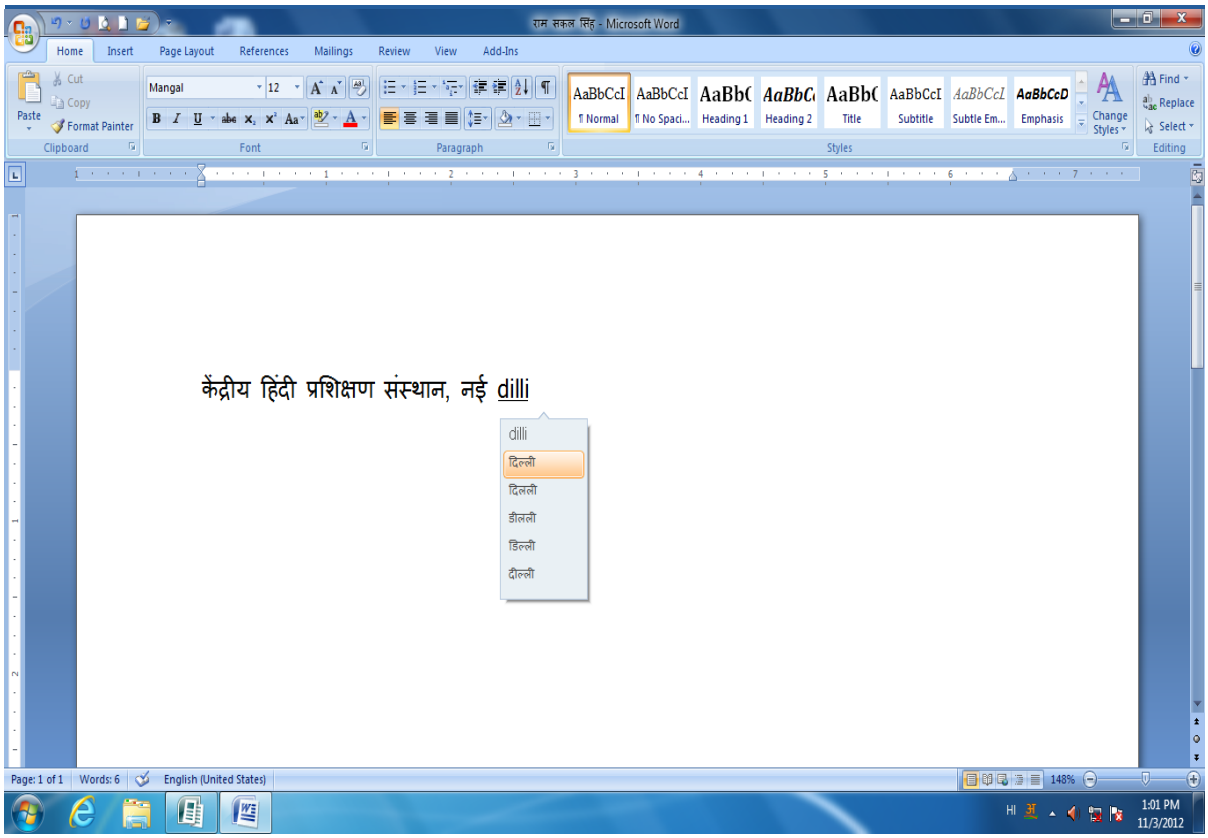

चूँकि यह पूरी तरह **Artificial Intelligence** पर आधारित टूल है, इसलिए हिंदी के शब्दों को उनके वर्तनी के अनुसार नहीं, बल्कि उनके उच्चारण के अनुसार टंकित करने की सुविधा उपलब्ध कराता है। यह प्रयोक्ता को **Key Combination** की प्रक्रिया से मुक्त करता है। वर्तनी के बारे में संदेह होने पर शब्द संसाधन करते समय शब्दों के नीचे आने वाली सूची में से सही वर्तनी को चुनना चाहिए।

आपके अभ्यास के लिए अगले पृष्ठ पर रवींद्रनाथ टैगोर की सुप्रसिद्ध कहानी 'काबुलीवाला' का एक अंश दिया गया है। इस अंश को पहले रोमन लिपि में लिखा गया है, जैसा कि आप टाइप करेंगे। आप इसके ध्वन्यात्मक रूप को पढ़ने और देखकर टाइप करने का अभ्यास करें।

kabulivala
ravindranath taigor

kandhe par mevon ki jholi latkae hath men angur ki pitari lie ek lamba sa kabuliwala dhimi chaal se sadak par ja raha tha. Jaise hi vah makan kii or ane laga, mini jan lekar bhi-tar bhag gai. use dar laga ki kahin vah use pakad n le jae. uske man men yah bat baith gai thi ki kabulivale kii jholi ke andar talash karne par us jaise our bhi do-char bachche mil sakte hain.

kabuliwale ne muskate hue mujhe salam kiya. maine usse kuch sauda kharida. phir vah bola, “babu sahab, apki ladki kahan gai?”

maine mini ke man se dar dur karne ke lie use bulva liya. kabuliwale ne jholi se kishmish our badam nikalkar mini ko dena chaha par usne kuch n liya. darker vah mere ghuton se lipat gai. kabuliwale se uska pahla parichay is tarah hua.

काबुलीवाला
रबिंद्रनाथ टैगोर

कंधे पर मेवों की झोली लटकाए, हाथ में अंगूर की पिटारी लिए एक लंबा सा काबुलीवाला धीमी चाल से सड़क पर जा रहा था। जैसे ही वह मकान की ओर आने लगा, मिनी जान लेकर भीतर भाग गई। उसे डर लगा कि कहीं वह उसे पकड़ न ले जाए। उसके मन में यह बात बैठ गई थी कि काबुलीवाले की झोली के अंदर तलाश करने पर उस जैसे और भी दो-चार बच्चे मिल सकते हैं।

काबुलीवाले ने मुस्काते हुए मुझे सलाम किया। मैंने उससे कुछ सौदा खरीदा। फिर वह बोला, “बाबू साहब, आपकी लड़की कहाँ गई?”

मैंने मिनी के मन से डर दूर करने के लिए उसे बुलवा लिया। काबुलीवाले ने झोली से किशमिश और बादाम निकालकर मिनी को दा चाहा पर उसने कुछ न लिया। डरकर वह मेरे घुटनों से लिपट गई। काबुलीवाले से उसका पहला परिचय इस तरह हुआ।